Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BS-AECCT 404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2018

B.Sc. in Yoga Science, (Semester : Fourth)

संस्कृत

Basic Sanskritam

Time: 3 Hours **Max. Marks: 35**

नोट : यह प्रश्नपत्र पैत्तीस (35) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (7) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×7=21)**

1. कृ धातु के कर्मवाच्य में पांचो लकारों में रूप लिखिए।
2. क्त्वा, तुमुन् इन प्रत्ययों का प्रयोग करते हुए बीस नये पद बनाइये। वाक्य प्रयोग कीजिए।
3. क्त एवं क्तवतु से बने किन्हीं 20 पदों का वाक्य प्रयोग कीजिए।
4. अस् धातु के भाववाच्य में सभी लकारों में रूप लिखिए।
5. सन्धियों का परिचय देते हुए सोदाहरण भेद सहित उनका उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दो (2) अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×2=10)**

1. अधोलिखित श्लोकांश का कारक एवं क्रिया पद लिखें –
   वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
2. कर्मवाच्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. 'ल्यप' प्रत्यय का परिचय देते हुए उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
4. 'द्वितीय दीक्षा' में वर्णित विषय को संक्षेप में लिखिए।
5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए –
   1. उसे पढ़ना चाहिए।
   2. तुम्हें कार्य करना चाहिए।
   3. माता एवं पिता का सम्मान करें।
   4. योग से स्वास्थ्य होता है।
6. निम्नलिखित पदों मे सन्धि का नाम एवं सूत्र बताइए –
   1. इत्यादिः
   2. रामं वन्दे
   3. यच्छोषणम्
   4. मद्भक्तिः

खण्ड–ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में आठ (08) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा (0.5) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(8×0.5=04)**

1. 'नेतव्यम्' में प्रत्यय है .....
   (अ) तव्य (ब) तव्यत्
   (स) अनीयर् (द) यत्
2. 'प्रणीय' में प्रत्यय है .....
   (अ) क्त्वा (ब) तव्यत्
   (स) ल्यप् (द) यत्
3. क्रियमाण में प्रत्यय है .....
   (अ) शतृ (ब) शानच्
   (स) क्त्वा (द) तुमुन्
4. रचनानुवादकौमुदी के लेखक हैं .....
   (अ) कपिल देव द्विवेदी (ब) कालिदास
   (स) भारवि (द) भवभूति
5. करिष्यते रूप है .....
   (अ) कृ धातु का (ब) भू धातु का
   (स) नी धातु का (द) हृ धातु का
6. 'अपठ्यत' किस लकार का रूप है .....
   (अ) लोट् का (ब) लृट् का
   (स) लङ् का (द) विधिलिङ् का
7. 'पठन्' में प्रत्यय है .....
   (अ) शानच् (ब) शतृ
   (स) यत् (द) ल्यप
8. "कृषकेण क्षेत्रं कृष्यते" में वाच्य है .....
   (अ) कर्तृवाच्य (ब) कर्मवाच्य
   (स) भाववाच्य (द) कोई नहीं

----------x----------